देश को तिलहन एवं दलहन उत्पादन में आत्म निर्भर बनाने की जरूरतः डॉ संजीव गुप्ता

दिनांक 27 अप्रैल 2022 को केंद्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान में **तिलहन एवं दलहन उत्पादन में आत्म निर्भर बनाने एवं "किसान भागीदारी, प्राथमिकता हमारी" अभियान** के तहत एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डॉ. संजीव गुप्ता, सहायक महानिदेशक (तिलहन एवं दलहन), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली, ने बताया कि भारत अन्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बन गया है लेकिन अभी भी देश को बड़ी मात्रा में तिलहन एवं दलहन का आयात बाहरी देशों से करना पड़ रहा है । वर्तमान में जिस प्रकार से वैश्विक परिस्थितियां बदल रही है और कोरोना जैसी महामारी आई है उससे यह एहसास हुआ की हमको हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की जरूरत है । विशिष्ट अतिथि डॉ अनिल कुमार, निदेशक शिक्षा, रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झॉसी ने बताया कि बुंदेलखंड क्षेत्र की जलवायु परिस्थितियां विभिन्न तिलहन एवं दलन फसलों के लिए उपयोगी है और बुंदेलखंड क्षेत्र के किसान देश को तिलहन एवं दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान कर सकते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ ए. अरुणाचलम ने बताया कि जिस प्रकार से हमारे देश के किसानों ने भारत को अन्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया वैसे ही हमारे किसान भाइयों को आगे आकर तिलहन एवं दलहन उत्पादन में भी देश को आत्मनिर्भर बनाना है । इस अवसर पर डॉ आर. पी. द्विवेदी ने **"किसान भागीदारी, प्राथमिकता हमारी"** अभियान के बारे में भी बताया और आह्वान किया कि किसान ज्यादा से ज्यादा कृषि संस्थानों द्वारा आयोजित कराये जा रहे कार्यक्रमों में भाग ले और नई तकनीके सीखें । डॉ इंद्रदेव ने मध्यप्रदेश के निवाड़ी जिले से आए हुए 20 किसानों को भारत सरकार द्वारा संचालित अनुसूचित जाति उप–परियोजना के लाभों के बारे में बताया और इस परियोजना के अंतर्गत मुख्य अतिथि द्वारा अनुसूचित जाति के किसानों को कृषि उपकरण भी वितरित किए गए । इस कार्यक्रम में कृषिवानिकी संस्थान की सभी वैज्ञानिक, अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भाग लिया । इस कार्यक्रम उपरांत केंद्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान के कृषिवानिकी व्यापार प्रत्यायन केंद्र (एबीक) द्वारा पहली बार किसानों और ग्रामीण युवाओं हेतु पौध नर्सरी को बढ़ावा देने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें 21 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला सत्र के दौरान संस्थान निदेशक डॉ अरुणाचलम ने बुंदेलखंड क्षेत्र में विभिन्न संभावित उद्यमों में अवसरों के बारे में बताया और प्रतिभागियों को एक सफल कृषिवानिकी व्यवसाय उद्यम स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विनय कुमार यादव, उप निदेशक बागवानी, झांसी उत्तर प्रदेश ने अपने संबोधन में झांसी में एबीक पर संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित करने पर केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रयास से निश्चित रूप से बुंदेलखंड क्षेत्र में नर्सरी उद्यमियों की संख्या में इजाफा होगा। उन्होंने कहा कि किसानों या ग्रामीण युवाओं को अभूतपूर्व प्रगति करने के लिए नर्सरी के क्षेत्र में आगे बढ़ने की जरूरत है और उन्होंने उद्यमों की सफल स्थापना को विकसित करने में अपना पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर डॉ. इंद्रदेव प्रधान वैज्ञानिक कार्यशाला प्रतिभागियों को पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम का संचालन डॉ आशाराम ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ के राजराजन ने किया।

Annadata Devo Bhava
ABiC Workshop

ABiC Workshop
27 April 2022
ICAR-Central Agroforestry Research Institute, Jhansi

अन्नदाता देवो भवः
आज़ादी का अमृत महोत्सव
के अंतर्गत अभियान
किसान भागीदारी, प्राथमिकता हमारी
25–30 अप्रैल, 2022
आत्मनिर्भर भारत / Aatmanirbhar Bharat
तिलहन / Oilseeds
दलहन / Pulses
ICAR-Central Agroforestry Research Institute, Jhansi

अन्नदाता देवो भवः
आज़ादी का अमृत महोत्सव
के अंतर्गत अभियान
Jhansi

अन्नदाता देवो भवः
आज़ादी का अमृत महोत्सव
के अंतर्गत अभियान
आत्मनिर्भर भारत / Aatmanirbhar
तिलहन / Oilseeds

भाकृअनुप-केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान
ICAR-CENTRAL AGROFORESTRY RESEARCH INSTITUTE
ISO 9001 : 2015
अनुसूचित जाति उप परियोजना
केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान
झाँसी, उत्तर प्रदेश
SCSP
Central Agroforestry Research Institute
Jhansi, Uttar Pradesh

★ नक्षत्र वाटिका ★
Star-Tree Plantation